श्रीगनेसायनमः॥ सोरठा॥ मुक्तिजन्ममहीजानीज्ञानषा
१ अघहानकर। जतवससंभुभवानी सोकासीसेइअकसना जतजरा
तासकलसुरवींदविषमगरलजीहपानकीय॥ तहिनभजा
सीमतीमंदकोकृपालसंकरसनीस॥१॥ अगेंचलेउवहु
॥१॥ राघुराया॥ रीकमुकपरवतनीअराया॥ तहपाससचिवसं ॥१॥
हितसुग्रीवा॥ अवतदेषिअतुलबलसींवा॥ अतिसभीत
कहसुनुहनुमाना॥ पुरुषजुगलबलरुपनिधाना॥ धा
रीवटरुपदेषुतैंजाई॥ कहसुजानिजीअसैयनबुझाई॥ पठए

वालीहोहीमनमैला॥ भागौंतुरततजौंयहसैला॥ विप्र

जौसुनतगवतकु

3

कावौडुःस्त्रां॥नमपितुपव्रतमानीवनभया॥जानवामजद्दोमौनहज

माझा॥संघनन्नीसुकुमनीसुतारा॥शतततनि तसिवनावैहौ

पिप्र फिनततमबौल तातेही॥मापनवनीतकतमगारा॥पि

२ प्र फिनातनमबोजताततेही॥मपनावनीतकतठमगरा॥क

॥२॥ ततुवीप्रतिजकव्या वुहारा॥प्रमुपहितवतिपनेउगतीवना ॥२

ना॥तोसुपउमाजाइनतहिवनाता॥पुल फिततनमुषमवद्

नवपत॥देषतनुविनामेषकैनवना॥पुतिवीरजयधनीक

कुतीकीलं॥ननावी हि हैपानिजनाथ्वा हि पीना मोरम्प

उमैपुहैसंगर॥तुमकसपुहनुनवाकीनाग॥तौमयपसीती

रुपधरीकवितहगयउ॥माथनरपुछतामसाभयउ॥को
तुम्हस्यामलगोनसारिरा॥छत्रीरुपफिरहुवानोवीरा
कठिनभुमिकोमलपादगमी॥कवनहेतुवनविचरहु
स्वामि॥मृदुलमनोहरसुंदरगातां॥सहतदुसहवनआतप
वाता॥कीतुम्हतीनिदेवमहकोउ॥नरनारायन
कीतुम्हदोउ॥दोहा॥जगकारनतारनभवभंजनधरनीभा
रा॥कीतुम्हअखिलभुवनपतिलीनमनु
जअवतार॥१॥तसिवोलेनायुधंसकुमना॥विधी
वैरानितना॥कोसलेसदसरथके

जो सुन तजगतकलतसमु हतपनमेपहुंसो पाशती ॥ नघुायेनप
पाथोदमधु कन दास तुलसीगयही ॥ तेहि ॥ मय जेबसनघुनाथ
के सुनीअैनानअनुतानी ॥ तिनक सकालमानोनप सी
धिकनहि चिपुनानी ॥ सोनाच ॥ रा लेतापसतनस्यामका
को ढितोमामधीक सुनियतमात्तुनसमाजस्तनमका
मघवाधीका ॥ इतीश्रीनामवनीचेमनसे कलकालक
लुखाविधंसनेवेमलवैनदसंपादितेनामवतुर्थसोपान
लिकै कियकां संपुरशा सुमनमु लिजै सीप्रतिपयतै लिखामम
हासोनाहीमतै सनन११८७ सवत१८७ तिमबा७ मे स्याम

कुल पाद्वैतीपी वतु हसियानातो मसु नम स्तु जिःजीत मा उ पोथसी
तानमसाइ हसद नाह इनम नाम पोठन हि जनातितैजो मकजानतोअति
श्री गनेसायनमः अनुसिनावस्यमस्यनसैलाविहतं हनुजवन
सांठगड: जिनामप्रजंम्या ॥ हैं नुजवानसकलगुनानियानं:
दानानमयी संनाथु पांतीवानदुतवानानसीतंनाम मीनामन
॥१॥ श्री रामचंद्र कृपालभजुमनहरनभवभयदारुनं
नवकंजलोचनकंजमुखकरकंजपदकंजारुनं कंदर्प
अगनित अमीत छबिनवनीलनीलजलसुंदरं भज
दीनबंधु दिनेसदानव दैत्यवंसनिकंदनं रघुनंद

मतुनितनीकहिह॥ पठउनलाइसोवक्र तिकिन्ना॥ कतसु
यसुन्हनघुवीना॥ तजनुसोवक्रनतुमननधीना॥ सयप्रकन
कनीहोसेवकर॥ जेहि। वियिमीलिहिजानुकी भई॥ ॥ सव
वयनसु। तितरावक्रीपसंघुयललासिवकनानकपनावसनुव
नमोहिकातु सुमीवध्नावयवलीमनुनमहोमंड॥ पीतिन ॥ म।
तीकुवाना नीनजाश मपसुतमयाधितेहिमाउ॥ मनोप्रनु
नुमवेगाउ॥ मर्धनातिपुन घानतपुकाना॥ वलीमहवालना
हेनपाना॥ यववलीहेबीहोमागा॥ मेपुनीगयउ पंधुसधव
ग॥ जिविवनगुनपहछसोजाश॥ तवहिवा। नमोहिकानसु

नइपदमाथा॥ मैंटेअनुजसहितरघुनाथा॥ कपीकनमनबिचनय़
हरीती॥ करिहतिबिधिमोसनपरप्रीती॥ दोहा॥ तबहनुमंतउभ
यदीसिकहिसभकथबुझाइ॥ पवकसाषिदैकैजोनीप्रीतीदीढ़ाइ॥3
कीन्हप्रीतीकुछुबिचनाराषा॥ लछिमनरामचरीतसभभाष
कहसुग्रीवनयनभरीबारी॥ मिलीहिनाथमिथिलसकु
मारी॥ मंत्रीन्हसहितइहांएकबारा॥ बैठरहेउमैंकरतबिच
रा॥ गगनपंथदेषीमैंजाता॥ परबसपरीबहुतबिलपाता॥
रामरामहारामपुकारी॥ हमहिदेषिदीन्हपटडारी॥ मा

पासा ॥ उपजा
मति पानी
सा जा ॥ होत ॥ सुनु सुनी मनी तेउ वाली तिय कषान ॥ के तु हे मा
नगता गयं माठ वनठि प्रनाम जौन मि वहु यलो तिहु वानी ॥ तिन्हहि
विलोकत पातक भ्रानी ॥ तिहु यगि निज समकरी जाना ॥ मि
न कहु वन जमेरु सामाना ॥ जिन्ह कें म सिम सा जे ता माई ॥ ते सठ
ता है कस का नहि मिताई ॥ कुपंथ नेवारि सुपंथ थव लावा ॥ गुन
प्रगटै अपगुन न्हि दुरावा ॥ देत लेत मन संक न धानती ॥ वल अनु
मन सा हित करनारी ॥ विपति काल कर सत गुन नेहा ॥ श्रुती कत स
तमि न गुन यता ॥ आगे का मृदु वाव न नाव नाई ॥ पाछे मन हित म

ठा॥ पराधेसुमोतीपकपवपना॥ नहीमवउतबजनैसनीं।
मसहेवसततनहैंघनानी॥ जिकसतुयिराथानाभतीमाणी॥ वाली
नतिसीमोतीमानीभई॥ सिलवरहैंवसेउपानाई॥ भविनकुनाहैथावी
नुसाई॥ तिन्तुउनाजमोतीयानीभई॥ पलीमनीताती जनकुभप॥ दे
वनोजिभनैहवताव॥ रिवसमनामनीसीमोहि नानी॥ हरिली
जीसिर्वसमनुनानी॥ ताकीमयनाधुवीनकिपाला॥ सकलजगु
नमें इकनउविसरा॥ सतभपवासमयताना ही॥ तदपिसाथितानहावा
धनमतो॥ तुलीनैनानकुउहीतनैवना॥ फरीकिउ॥ १०॥

वोपहसीसा॥ प्रभुतिजातिमनलहबकपीसा॥ उपजागपन
वचनतापवोला॥ नाथ।कृपामैंभयउभरोसा॥ सुपसंपातिवानी
वनवास॥ समजाथ्रितविक।चैतेसेवपका॥ सहतमोनाममत्रतिके
वाधाक॥ कहतिसंततपपावभावनाद्याकं॥ सतु।मित्रदुषसुव
जागमाही॥ मापकी।तवनमानथनाही॥ या।लिवनेमतिताजसुष
साह॥ मिलेहुनामतुम्हसमानाविचाह॥ सपनेजेहितसनाहिर
लनई॥ जगसमुद्रामननसा।कुपाई॥ अवपम।कृपाकरहुयहतिन
॥६॥ ति॥ समगतिमजानपकनैहिनाती॥ सुति।धिनागसंजुतकपिवा
नी॥ वोले।पिसिनामघानुपानी॥ जोकहहु कहउसामसमसो
६ ॥ सावावचनममा।प्रधनतोई॥ नटमर्के टाधसपतिनाथपा ॥

कुटिलाई॥ जाकरचितअहिगतिसमभाई॥ असकुमित्रपरीहरेभ
लाई॥ दोहा॥ मित्रमित्रसनप्रीतिकरीहिहियेंअनामुखअनाजा
केमनवचक्रमप्रेमनहिं मनहुनेहुनापनजाना॥६॥ सेवकसठनृ
पकृपिनिकुनारी॥ कपटीमित्रसूलसमचारी॥ सखासोचत्या
गहुबलमोरें॥ सबविधिघटबकाजमैंतोरें॥ कहसुग्रीवसुन
हुरघुबीरा॥ बालीमहाबलअतिरनधीरा॥ दुंदुभिअस्ति
तानदेखनवा॥ बिनुप्रयासरघुनाथढहवा॥ देखीअमिता
बलबाढीप्रीती॥ बालिबधबकेभैपरतीती॥ बारनवन

॥ वितावपाज मीनेउमनथालीमतितर्ज मुसिकम ॥
नमानतपुरिंगजी तसुनीवविकल्नोरमाग मुसिव
व्रतावजसमलाजा मैजोकननपुविनकिवाल वंधुलत
रमोनयतफल पवनुयतमनातरेउ तेरिवनतमनरेउ
१९॥ नतिसोउ कनपनासमुनीवसनीना तनमैफुविसगइ
समपीना मैलेकंठमनपेमाला पव्वदैवलपुविप ॥१९॥
माला पुविनांनांधिपिमलानाई पिरवाबोटे वतिन
बुनाई सेत वनुवलहलमुनीकनीपतननयमाभिम
नेवालीतिनानतवतिरैमाहसानतानी।१७॥ कनावकलनी

नामबजांस्यंदगुनगप्ता ॥ नेंतुनीयसंघनघुनाथा ॥ पखैवपत
यकगहितापा ॥ तयनाघुपातिसुनीवपाठ्या ॥ गर्नजासिजाशि
कटयलपाया ॥ सुनतयातिकोधतुनयया ॥ गहिफनावनाता
जानीतमुहुया ॥ सुनुपातीतिकहिमिलेंसुजीव ॥ तहौंउपंघु
मतुजावालसीया ॥ कोसलेसमुतालाछिमननामा ॥ कालन
पीतिकनातीसंजमा ॥ सोनाघुपीनाहिंहैमतमनता ॥ ममतां
दफिकलमममातनु ॥ दोत ॥ कहवालीहुनुमिनप्रिंमलाम
७ दतिनाघुनाथा ६ जोकहाथिमोहिमानीहैंतौवुलितोवला
नाथा ॥ फ्रमसकहिवलेंउमायामिसाति ॥ च नतनलगुजी
तिजी ॥ वातियिसुमीठपातिठ जा ॥ ८६ पकोघल

तोहि मतिसैन ।त्रिमाता ॥ तनीसी बचनक नसीनमता मन

मुजवलमनमीतते ॥ आनी ॥ मनबहु सिमथमनमभीमती

होता ॥ तुमहु नामस्यामिसुजमबचलनवतुमोनी ॥ प्रभुमज

मुमै पापिमंतफलगाती तोनी ॥ ८ ॥ तुनानामभतीकोमलया

नी ॥ वालीहीमचनबओतिजपानी ॥ मवमफनेतननाथनु

प्रना ॥ वालीकरमुतुनीपातियाना ॥ कोमसकयमकमप

जगमानी ॥ प्रभुमुनगतीजाकरुपनाहा ॥ सोतुमुनामप्रक

माप्रिमतनी ॥ वमतुनीभंतनाजनामनातती ॥ जमनमनु

नीजतनकनी ॥ भंतनामकतीमचतनाती ॥ जमुनमचलो

तंकनाकानी ॥ तोरा... ॥ ममचो

8

नीन
नी

सारकेलागो॥पुनिउठिवैरहोविप्रनुमु॥स्यामगतसिन
जाटयातनप॥मनुनवयनसनवावपवाँउय॥पुनिपुनिवी
तैहीका॥तुदलजमपैप्रभुकाविनहु॥हृदैप्रीतिमुबव
यातकढोना॥योलावीतरनामाकियाना॥यमेताँप्रप
तनेतुगोसर॥मनेतुमोतिवधकीनाइ॥मेवेनीसुजैतवंी
मनं॥मवगुकवनलाथमोतिमाना॥सुनुमठमतिसे
किनुकुकेमा॥पविननीहो कलजाकुलर्दम॥मनुज
वाधुंमगीनीसुतनानी॥तुनुसठपरकेनपालमवनी॥र
नपुनीतिवीलोकेजोग॥तातिवाधैकहुपादनतीइ॥मुव

नतनाजानाना गा॥९॥ नामवाली तिमयमपछए॥ नगनलोगस
मव कुलायप॥ तों नोधि प्रिविलपकनीतमा॥ कूरेकंसकूरेता
रेतसंमना॥ पुतिपुनितमुसिसाठनाथानर्र वादनपिलीकेसे
कक्कुकनै॥ प्रेपतितुमूहिवकुतसमुहर॥ कलाविवसकमुमन
हिलमया॥ मंगहफ कुहुकतानपायहु॥ विवतितुनापनप्रन ॥८॥
पाछपहु॥ तनविकलहेबीनधुनाय॥ दिलुमानतनीलीनि
उमया॥ द्वितिजसपपकगंजाबसंमिरा॥ वंवनाधितायहम
यमांसविना॥ व्रगटतोतनतधम्रगसोप॥ विवतितुम
कोंहिलजीनेपा॥ उपजफावननतवलाजी॥ लीकोतिपना
ननागविनमागा॥ उमहनुजोधिकार्जीवाग॥ तबलितवप

पनगोवनसौइमप।नहुनी।कि प्रभुमसवतिकिवाना।दृग
सोनयताागोवना।जासुगुनगन नेतीकनहबातिजया।ह
जितिपृथनमगो।तिनाकनीमुनिघ्यताकपतुनपवती मो।हिजातिम
तीमा।भैम।निपृभुकंतेउ कीनाथुसानीनी।मसफयनसना।ठीस
गतनुथनी कनत्तावधुनती।मपनयकानि कनुनविलो कततेतुजो
वनमगवनैहिजो।तिजन्मैकप्रैधासितहना।मपहमनुनोगाउप
तातनयमनसमविनैरघवसत्यक त्वनपद्धप्रभु।सिसियगतिं
पनतुसनननागतनमपनमद समगदाकि।जिय।तेता।रामवना
नरीतिप्रतिकनीवालीकि मृततापगा।सुमनमन।सिनिकंत्तगी

नाथ पाति जल जनन पनही॥ पुनि सुग्रीवहि लीन्ह बोलाइ॥ बहु प्र
कार नृप नीति सिखाइ॥ कह प्रभु सुनु सुग्रीव हरीसा॥ पुर न जा
उँ दस चारि बरीसा॥ गत ग्रीषम बरषा रितु आई॥ रहिहउँ निक
ट सैल पर छाई॥ अंगद सहित करहु तुम राजु॥ संतत हृदयँ ध
रेहु मम काजु॥ जब सुग्रीव भवन फिरि आए॥ राम प्रबरषन गिरि
१०॥ पर छाए॥ दोहा॥ प्रथमहि देवन्ह गिरि गुहा राखेउ रुचिर बनाइ॥ राम कृपा ॥११
निधि कछु दिन बास करहिंगे आइ॥११॥ सुंदर बन कुसुमित अति सो
भा॥ गुंजत मधुप निकर मधु लोभा॥ कंद मूल फल पत्र सुहा
ए॥ भए बहुत जब ते प्रभु आए॥ देखि मनोहर सैल अनूपा॥ रा

तनाम गोसरा ॥ तब सुग्रीवहि आयसु दीन्हा ॥ मृतक कर्म विधिव सा
वकीन्हा ॥ राम कहत अनुजहि समुझाइ ॥ राज देहु सुग्रीवहि जाइ ॥ र
घुपति चरन नाइ करि माथा ॥ चले सकल प्रेरित रघुनाथा ॥ दो
हा ॥ लछिमन तुरत बोलाए पुरजन बिप्र समाज ॥ राज दीन्ह
सुग्रीव कहँ अंगद कहँ जुवराज ॥१०॥ उमा राम सम हित जग माहि
गुरु पितु मातु बंधु प्रभु नाही ॥ सुर नर मुनि सब कै यह रीती ॥
स्वारथ लागि करहि सव प्रीती ॥ बालि त्रास व्याकुल दिन राति
तन बहु ब्रन चिंता जर छाती ॥ सो सुग्रीव कीन्ह कपिराउ ॥ अति
कृपाल रघुबीर सुभाउ ॥ जानतहू अस प्रभु परिहरही ॥ काहे

पघ नमामी ॥ पलकें प्रीति जथा धीनता ती ॥ वनय हिंसा सोचि
मुनि बनि बनाई ॥ जप नय तिपु पछि थपाशा ॥ पुदमघ तता
त हि गि वि कै है ॥ वलकै पवन संतसतें जैसें ॥ दु इनाही मनी
वली तुनहा ॥ जलथो नैयनखलहानाइ ॥ म प्पवनानाठथ
नापानी ॥ जनु जीवहि मपलपरनी ॥ है मिटि सिमि टिज
लोमा नाहि तालय ॥ जैमि सद गुन संप्पा नपहि भवा
सनीता जलोमि धिंनि टिमनतजहा ॥ तोइ मवला गि मिनि ही
पहमइ ॥ दोता ॥ तनितामु मन दृनसंफुलसमुहाय चैर नहिपं

11

नकैत मनुजसरीत सुनासुपा॥ मधुकनयगम गतनुधनिदेषु
करनहि सनिधिधियमुनि प्रभुकै सेवा॥ मंगलमूल मयंउवना
तापत॥ कीन तैवसनमा पालितयुवातें॥ किटिकोसिलात
नसुवस्योनाइ॥ सुषमसीनाना दीउमाश॥ करतमनुजा
सनकपभनैका॥ मतीपिनानि जैपनीतिपिवंका॥ बाधन
षकलमंधनमहूपा॥ वनवषतलोगतपनानसयनय॥ देषु॥
लदीमनदेषनुभोरागननवालिवसिनीधपपेवी गृहिवि
नातेनतनृषजुतनामभगतिकनदेषी॥ ११॥ दलदधमंदन
रागजेतपोरा॥ पिकितनृपतमानमोना॥ दमितिदमाकिन

पाइ जनु धर्म निपाताही ॥ ऊषर बरषै त्रिन नहि जामा ॥ जि
मि हरिजन हिय उपज न कामा ॥ बिबिध जंतु संकुल महि
भ्राजा ॥ प्रजा बाढ़ जिमि पाइ सुराजा ॥ जहँ तहँ रहे पथिक थकि
नाना ॥ जिमि इंद्रीगन उपजे ग्याना ॥ दोहा ॥ कबहु प्रबल ब ल
ह मारुत जहँ तहँ मेघ बिलाहि ॥ जिमि कपूत के उपजे कुल १९
के धर्म नसाहि ॥ कबहु दिवस महँ निबिड़ तम कबहुक प्रगट
पतंग ॥ बिनसै उपजै ग्यान जिमि पाइ कुसंग सुसंग ॥ १५ ॥ बर
षा बिगत सरद रितु आई ॥ लछिमन देखहु परम सुहाई ॥ फूले का

ंघजिवाधंयंहीतं हिगुपहे हिसतजन्ध ॥११॥ हद्रनपुनि
वहुरिसत्तोत ॥ वेहपल्जैजनुषदसमुद्र ॥ नयपल्पेमैधि
रपाम्रनंधा ॥ सधनमनजसमिलउ पिवका ॥ मंर्कजु
पसपताधितुनय ४ ॥ जिमिसुनाजवलउदिमगापउ ॥ वी
जतफाहुमिजिनाहिधुनी ॥ कनैत्रीवजिमियमीहि दुरी
सुतिसंपनयसोहमर्केकैसे ॥ ७ पकांनिकेसेताति जैसे ॥ नि
सितमघनवा घतविनाजा ॥ जनुइंद्रिकक्रा मि लसग
जा ॥ मनविसुदीवंतिकुटिकमनी ॥ जिमिसुवनभयपवी
गनहि नमी ॥ कृषिनिन्युलितवतुनफिसा ना ॥ जीमिवुध
तनाहिमैतनगान ॥ इवनयपूपयकवजाति ॥ कारि

13

राधेतातैनानटपतंपसवतीकामेघानी ॥ जिमिहृतीमतिपा
इ ध्रमतजातिमधमि पानी ॥ ७ ॥ सुकीमीनजेनम्रगाधा
जिमिहृतीसनमनायकैंबाधा ॥ फुलैकमलसोहसनकैसे
निर्गुनब्रह्मसगुनभएजैसे ॥ गुंजतमधुकरमुषरअनुपा
सुंदरषगरवनानारुपा ॥ चक्रवाकमनदुषनिसिपेषी
जिमिदुर्जनपरसंपतिदेषि ॥ चात्रिकरटतत्रिषअतिवोही
जिमिसुषलहैनसंकरद्रोही ॥ सरदातपनिसिससिअपह
रनाइ ॥ संतदरसजिमिपातकटरइ ॥ देषिइंदुचकोरसमुदाइ
जिमिचितवहिहरिजननतनीपाइ ॥ मसकदंसबीतेहिमत्रा
सा ॥ जिमिद्विजद्रोहकिएकुलनासा ॥ दोहा ॥ भुमजीवसं

सतफलमर्फ द्वाशि॥ जानुयनवगतप्रंगरयुकशि॥ ३ हितमादिवं
यमलासोघा॥ जितिलोमातीबोसर संतोबा॥ सनितसनातिर्नल
लमोत॥ संतहिदेंतसमनजातमोता॥ नतनतसुबतनीतसप
नी॥ ममतपगफरतीजसगपसी॥ जातिसनारनीतुवंजनम
प॥ समैपक जिमिसुसातासुतया॥ पंकुनंजुंसोहमतिपना
नी॥ नीतीनीपुतजतत्टपकैफननी॥ जलसंपोवाधिकलजै
मित॥ मयपकुडुविमौपनहीन॥ विनुघनलिमिलसोतभ
कता॥ नविजनइयपनहनीरयमसा॥ कनुकुविसिसा
हनितुचीना॥ कोठपकमातिपयामिनिमोना॥ होत॥ पलत

कुलनहेगयसनद।। नितुपई सहगुना। निलजातिसमसंदेभ्र
मसमुदरा ।।४८।। गतधनकाति मेलनीतुमरा।। तुधितलमं
तसीतर्के पार।। पकवानके सेतसुधीजानो।। कस्रो जिती
।तिमिधि मठमनैठ।। कतनुनेरंजो जिमतलोइ।। तातजत
नाकनीमनौतोइ।। सुग्रीवहसुधिप्रोमिधिसानी।। व
वनजकवतलपुनमानी।। जेहितयवकमेमनावा। सी
तौहिसनहतौ मुठकफाली।। जलकृपा। हटहिमहमोत
तपतउमवीतपनदुमोता।। नानहिसतमापेतानुलिपति

18

...मिं पिख्यननकुं तिन्नता पा॥ [illegible] नेदीम मनु डेभागा

[illegible] वनथुकि गहमप्रफकें हुं बा॥ गुनिम तनोत करने इ[illegible]

गुनाथि [illegible] नियपनसतु धवपरा॥ [illegible] मनत तिक्लाथी धसम है

बा॥पवत [illegible] रपर [illegible] कथातु [illegible] कि धि गिगयपउ हुतला

तु हरि॥ हिता॥ तनो बदन्नै तुज [illegible] तत मंजरा दिकीं ताथें॥ ना १५

गकुतुज गोकनीकप्रजतनयुनाथा॥१६॥ तिु बनतासिन

[illegible] नजोती॥ तथमीकिकहुं नैदि नाहीं नी॥पन [illegible] प्रथत

[illegible] मा साथां जोहि तमो भेसकोनगडाय॥ दि बै नपुत

[illegible] न मुति पतीं॥ के [illegible] पुपद्धन कतिब जगति॥ [illegible]

[illegible]तनु प्री भैरयं नरा ॥ वर्नेसकुलवनलह्यो [illegible] नैनाइं ॥ तौहिन

[illegible] नैनपुनदया ॥ जौ वहिधितनतहलनधा मा

होना ॥ पनुकवण्ड कनतवजानीकनौं जुनदन [illegible]

[illegible]नरे बितवकनवपाली कुमना ॥ [illegible] ॥ [illegible] इतिन

[illegible]तिकीना ॥ लहीं मतपनयातिन्ह तिप नी दोकूप ॥ कौ

[illegible]वत लहीं मनतु [illegible] का [illegible] ॥ [illegible] तपितनाति सैमपुमान

सुनुहनुमंतसं धलौतना ॥ [illegible] ततीसमुह उपजंना

नसतितजरहन [illegible] विपसु तुन [illegible]

[illegible]

[illegible] मतनेक [illegible]

[illegible] इतैहि नीति ॥ पतनकि कछु प्रभु कै साधि कार ॥ बिस
[illegible]ब्या[illegible] नबधुनार ॥ लछे जतत समय सुपारा ॥ कपी पाति
हैं सब बानर समुहरी ॥ नामकत नक जु मोन नीतीन बनन जु
पतकु गुवन ॥ जनक सुत नात वो जहु जो ॥ मत है वसमे
हिम्मय भ्रमे ॥ कथो धिमेति जो बिनु सुधी पाया ॥ मवस्ते
गो मतिहि मनय ॥ होता ॥ पवन सुनत सम्बन नन जनत लवबैत
नंत तब सुग्रीव बोलय अंगद हि हनुमंता ॥ छ ॥ सुनहु हित
जामवंत हनुमाना ॥ जगिवत [illegible] सुजाना सन [illegible]

नीतिय नसनजसुनलागा ॥ बोन कौवत मतमनिसी जागा ॥ भ
मधा सिजेइगनालवधधा ॥ तेजनतुम्ह सम तन घुचारी ॥ पगुन
सयतूतैनति तो या ॥ तुम्हची कीय प्रयइकोइ प्यो ॥ नाथनधु प
तिवोले ; सुकरा ॥ तुम्ह प्रि [illegible] हि जनचसुमभारा ॥ मवतो
इजतनकन्हु मनलागा ॥ तो [illegible] बिसीत कै हु सिपा ॥ दक्षि
वी धहीत वात कैलि [illegible] नपवहन [illegible] या ॥ नानीववन लप्रतुलवच
[illegible] किसवनुया ॥ वेनन [illegible] दक उमभे हेसा ॥ जोमुनुव
[illegible] कैहै सा ॥ करइनवपवतबति मजा ॥ तिनधिनुपस
[illegible] पिइलसद नेभतिवाना ॥ नेताव

सावा॥ पचसामिसमनोनूनपानी॥ कनमुद्रिक दिनसनी
लोनी॥ चहुप्रकनसीतहिपमुहापहु॥ कहू वनसिनावे
जीतुमकमयहु॥ कनुमनजनमतहुकलेकाविमाता॥ ललनि
धनीकपाविधना॥ जंदपिहु जनतसम्बाता॥ नजतितिना ७
नाहुनमा॥ हितो॥ धनै नमनोजोजतसजीतसन
गीनघै॥ नामकजलचासिनमनोविसनतवकनहोहा॥१८॥
कनहुतोइमिसियनतोनैट॥ प्रनलैहियकयककवनन॥ नहुप्र
ननागिनिकंतनतकोनेनी॥ को दमानिमिलकनहि समघनेती

भटामिमासिहरिहितजानु॥ सीतसुःधिपुहुतसमन्नकपु॥ मनक्रम
वचनसुजानतनविवनेहु॥ नामवद्रुकनैकजसवनेहु॥ नामप
हकवरि है वीलोकौ॥ मीरहि सकलतयसंतसेसोव॥ हरेय।
नेकनयतपलभार॥ भजिययनामसमनकोमनविनर॥ मनुपि
ठिसेहुनाकगि॥ रचामिहि भजियसबहुसपगी॥ जिमि
मयातितनीवहतेर्रं॥ तिमिपवनलोकसुयावनीलेर्इं॥ सी
इगुनगपानसोरवहुनाशी॥ जोनघुविनावननमननोग
सहमतिवननेतिननाई॥ वलैसकलसुमिनोनेवनप
पहपवनानयतीननौगा॥ जाभैपजतड्डभानिक्रद्या

तिन्नु हय ॥ तैस्पुलिकाँ कनदुजजपाना ॥ ब्रा सन्नसमु हनप ब
जाना ॥ प्रजनीकी क मधुनफल वाणा ॥ तसुनिकट पुत्रि यति
सन्नप्रया ॥ तैसतिन मपालि केवल तु जो ॥ मै मवक्तप बतन्तु
१८ जाए ॥ मुहु नप नपिवनतकिजनु ॥ कै महु सी तारि जति पहि १८
तिः ॥ नयनमुरी हंचिति सनाविरा ॥ छठे नफल सीधु केतीनै
सोपुति जार जतनधनाथा ॥ जरक मअपह नय ७ मानन ॥ भ
नाधि थित्र जावि नतिकैन ॥ मनपवाति मगतीप्रभुताहि
हिन ॥ हैना वाती पवतकसी गापुत्रमुन नलासिसा ॥ ७

लीग्रब मूर्ति सैप्रकुलतो ॥ मिलै जल बितगततमु
लोता ॥ मनवि पुनी तेउ हनुमाना ॥ भयनामनयावितजे
लपाना ॥ बद्धि गिनाती बनबंतहि मिद या ॥ भुमि विवान
पूनकौतु यदेवं ॥ बजवपकवहुहंसउनति ॥ बहुतकवग
प्राबसतिता तिमती ॥ गति उतरी पवनसुत आया ॥ लैस
वनसोतवनदेवाय ॥ मगंकनितातिमंतहिलीतें ॥ पहठ
विपमनवेलंपनाकिता ॥ दोहा ॥ हे पातिउपवदनवनतनाधि
गतितपदुकेज ॥ मं तिनपनमगुधिनातहवेहिनतितपपं
॥१८॥ हुतितातिवतेतातिनताया ॥ दुहावितातिइकति

कहेउ ॥ हम सीता कै सोध बिनु लीन्हे ॥ नहि जैहैं जुबराज प्रबी-
न ॥ अस कहि लवन सिंधु तट जाई ॥ बैठे कपि सब दर्भ डसाई ॥ जा-
मवंत अंगद दुख देखी ॥ कहीं कथा उपदेस बिसेषी ॥ तात राम
१८ कहुँ नर जनि मानहु ॥ अगजगजीत अतुल बल मानहु ॥ हम स-
सेवक अति बड़भागी ॥ संतत सगुन ब्रह्म अनुरागी ॥ होत नी
जइच्छा प्रभु अवतरै सुर महि गो द्विज लागि ॥ सगुन उपासक संग
तहँ रहहिं मोह सब त्यागी ॥२६॥ एहि बिधि कथा कहत बहु भाँ- २
ति ॥ गिरि कंदरा सुनी संपाती ॥ बाहेर होइ देखि बहु कीसा ॥ मो-
हि अहार दीन्ह जगदीसा ॥ आजु सबन कहँ भछन करउ ॥

ॐ परि रामचरन नहि छ॥ जो [illegible] पंहि सुचाहसार [illegible] ॥ रहति
धनी कपि मन माहि ॥ चितै नयंचि कज कहू नाही ॥ सभा
मिलि कहहि परसपर बाता ॥ बिनु [illegible] सि [illegible] कनय
ता ॥ पुनि [illegible] कहसब हि पाहि ॥ मरतभय [illegible] रसं [illegible]
हि ॥ [illegible] भयसुरासकोपि बिर ॥ बोलि [illegible] तिन
नयता निर ॥ कोट [illegible] गहतो बन नारि [illegible] नी ॥ ६ [illegible] प्रबल [illegible]
हनुमानी ॥ [illegible] सुधी सीत कौ पाइ ॥ [illegible] रिति के
पिर इ ॥ चितये पन [illegible] मौ [illegible] ॥ रघुना मनी तो [illegible]
[illegible] ॥ पु [illegible] बन [illegible]

[illegible] ॥ ६२ [illegible]

का ॥ ओनिद्रौ तुसी धुतट हैतु ॥ रघुपतिमन ... धुवि पिय नगी
रके नयमे चेतकृषो जतुजाई ॥ २२ ॥ ... जुजा ... तीयचलसन
रा ॥ कीनी जकथसुनजकापिथीना ॥ मनुजकुभकनिसगनती
जुनर्द ॥ जंगमग्रपनचिति ... नी ॥ तमतेउवंधुपथमता
नियया ॥ मैजानिममि ... ॥ तिजनसनि तकसोपि
टउरउ ॥ तिमितपिमे ... दनि ... ॥ ... निमैनोविकि
ना ॥ दनउपुम्मकनधौमैवीकोना ॥ ... ॥ नहिं ... हैतनति जेमप
ति ॥ लगी दयेहैपिकेजोनी ... ॥ बहुपकनतेदपक ... ॥ २४

ॐ॥ चरि राम चरन नहि ध्या मो पंहाँते सुनाइ सार॥ रहा
पनीति कपि मन माहि॥ चिति मयचि कज कहु नाति॥ सभा
मिलि कहति परस पच्याता॥ वैनु हुँदि लि कनदय
त्रता॥ पुनी मग कहसप हिपाहि॥ मरतन भयक रसं है ना
हि॥ पवत सुरा तकापि धिर॥ पो लिन नकति नय
नपता गिर॥ काहि गहलो वन भारिथा नी॥ ६५ प्रवन भ
मनु हमानी॥ इतन सुधी सीत कै पाइ॥ अंगद मन रीति के
पिरइ॥ चित धयय पवन सुत मौनि॥ रचना मनी तो रैयो
नमर्क मी वनग तनमय॥ ७॥ पुलि म तन वन मैं मो
तिता ६ प्रतता तइका त

[illegible] ॥ रघुपति मन [illegible] बहु बिधि बिष नमी
हेता ॥ मोहि लै जैसु सीधु तट है तुत्ति [illegible] ॥ बचनस
हे सत बचन पै तैहु बोल तु जाई ॥ २२ ॥ [illegible] कृष्ण कानि सगर ती
रा ॥ कीनि तिज एक पद तुन [illegible] पि धीना ॥ [illegible] बंधु पद मता
तु तर्ई ॥ जंगा मग [illegible] ॥ तिज नस तनि सकत सो पि २०
तिमया ॥ मैं [illegible] ॥ [illegible] मैं [illegible]
टउरउ ॥ तिमित तिमि [illegible] ॥ [illegible]
ना ॥ [illegible] ॥ [illegible]
ति ॥ लगि हियहैं छि कै मोहि ॥ बहु पकनतें रघुनासी बंध

हिनवहु गयभ्रतनाविनुमानउ॥कपतनमिलननीयघ्रतनबी

तना॥अजुहिनायियपककाहिवानो॥नवेगिथावंवत

तुमिकाना॥मपननमन तम तपहनजाना॥काधिसभउ

डोगियाकरेघी॥मामवतामनतोवधितेघी॥कहमगह

पिवारिमठनाहि॥धनलहन [illegible] नबोउतनी॥नानकजल

मितानतपगी॥हनीपुन गयपनन धामागी॥जोनघुपाति व

ननकु।पिनलावै॥तहिसमयतपतमिनलकहवै सुनि व

मनवतौं [illegible] तपाली॥ [illegible] यमनी॥ तिहौं

[illegible]॥ [illegible] समाइ [illegible]॥ तिहौं

[illegible]

।सि भगत ॥ पूछत गरुड़ बरी। वैनतेय कहु कमल सर तुम ना॥
१२३॥ जो न भजै सत तजि जन म सगना॥ कच्छइ सो नाम कंठ ज
मति भगना॥ जो कउ करइ नाम कपाजु॥ तेहि सम धन्य
मन नाहि भनु॥ मोहि बिलोकि यन्हु मनोधृना॥ नाम मं
पा सब जय उ सखी ना॥ पापि जक ना न म हामि नाति॥ मति
मपन भयं स गन्हा नाहिं॥ ता सु इतत कथ सकल॥ नाम
माहि है भविक कहउ पाश॥ अस कहिउ म गिधत खग यउ
तिन के मन भ्रमति तेसे नयउ॥ मिजाति न बल सं पाठु मंत्र
पन्नग रशी संसत्न नाथ॥ जैठ नत्र य भ्रम सका ड्रा नंद सा
नाथ धर पूर्व नत्र नाहि सेवर वैरागी॥ नयनि बिधि कै नमः उप

[illegible] दाया ॥ पूं धूम मनुज तव [illegible] चानाति

ती ॥ तसुताविनातिसे एनपाति [illegible] हतो ॥ ता सुष जमरीति

प्रभु हुता ॥ न हि मीत्नेतु म हौ युनिता ॥ जामिन हि पंचव

नीसो जानि वीसा ॥ तिनूह हि दवे रहे पते हौ [illegible] ता ॥ ए न पा हि मु

लि तिजन [illegible] समगाए ३ ॥ तो [illegible] नहि गेपनप [illegible] ३

स [illegible] पान हु निनज [illegible] ३ ॥ पाता ॥ वि विमनजो नता

मे [illegible] ३ ॥ मुनि कै गिनता [illegible] जु ॥ सुनि मम वचन कन

हु प्रभु केजु ॥ गिनी विकु [illegible] पामै [illegible] ॥ तनन [illegible] नाथ

न [illegible] भ वंका ॥ ता [illegible] जैभा [illegible] ॥ मीत वै

ति मेपनी [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

३ वनान॥ तवबसन हे३ प्र[illegible] थमब जमानी होता॥ दी
वधतपूभुपाठे३ सोतनथा नजीनाजाइ॥ ३ मय घरिम
न हिनें ३ मातपनजापनहदिनथाइ॥ २ भ॥ कं गहक
ते३ज३ मैं पना॥ जीम मेंसे केहुपिनाति या न॥ तभ सत
कातुमस जलयका॥ नटर पें मि सभतिकनतयथा
कतै ईनीहृपाति तु नुनिहुमा ना॥ बतुपसा यि नहेहुपा
लयना॥ पव नत नैवसपयत समना॥ वुधि पिवेवपा
हगा डि बना॥ कथनगोक [illegible] हे नजगनति॥ ओ ना
निगीततनतुजनती [illegible] ना॥ ३